

# ACHARYA SHREE SURENDRASURISHWARJI JAIN TATVA GYANSHALA

12, SHREYANSNATH SOCIETY, B/H DHARNIDHAR TEMPLE,  
GODAVARI ROAD, VASANA, AHMEDABAD-7

## Book Issue Slip

Member No. : 3013

Mobile Number : 9426593189

Receipt No. : A2478

Member Name : मितेश जसवंतलाल शाह

Total Issued : 5120

Address : 43, नवकार फ्लेट, बेरेज रोड, वासणा

Issue Date : 19/03/2024

Last Date : 17/06/2024

| Sr No. | Vargank No. | Kruti Name                                             |
|--------|-------------|--------------------------------------------------------|
| 1      | AM00805     | सुपार्श्वनाथ चरित्र                                    |
| 2      | AM00264     | समराईचकथा (संस्कृत छाया सहित)                          |
| 3      | AM00929     | समराई कहा (सं. छाया अनु. सहित (षड् भवात्मक (प्रथम भाग) |
| 4      | AM00855     | जंबूस्वामी चरित्र                                      |
| 5      | AM05848     | सुपासनाह चरियं                                         |
| 6      | AM03895     | जंबूस्वामि चरित(प्राकृत)                               |
| 7      | AM03946     | महिवाल कहा                                             |
| 8      | AM03705     | समराईच कहा भाग-१ सं छाया                               |
| 9      | AM00809     | समराईच कहा (6 भव) भा. 1 (संस्कृत छाया अनुवाद)          |
| 10     | AM00487     | महिवाल कहा                                             |
| 11     | AM00895     | रयणचूड चरित्रम्                                        |
| 12     | AM00853     | जंबूस्वामी चरित्र(प्राकृत)                             |
| 13     | AM00442     | समराईच कहा भाग-2 (संस्कृत छाया अनुवाद) भव 7-8-9)       |

AM00805



AM00264



AM00929



AM00855



AM05848



AM03895



AM03946



AM03705



AM00809



AM00487



AM00895



AM00853



AM00442



**Notes :** AM00805, AM00264, AM00929, AM00855, AM00929, AM05848, AM03895, AM03946, AM03705, AM00809, AM00487, AM00895, AM00853, AM00442-हेमतिलकवि.म.सा.

AM - प्रत विभाग, वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद

Book Received By

Book Issue By

### संस्थाना नियमो :

- 1) संस्थाना पुस्तको फक्त मेम्बरने ज आपवामां आवशे.
- 2) पुस्तक 90 दिवसमां परत करवानुं रहेशे, कदाच वधारे समय राखवानुं थाय तो 90 दिवस बाद रिन्वु कराववु अनिवार्य छे.
- 3) पुस्तक फाटी के खोवाय जाय तो वाचके संस्था नक्की करे तेदलो दंड भरवानो रहेशे. दंडनी रकम पुस्तकनी छापेली किमत करता वधु होई शके छे.